

पुरई ग्राम में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन , बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ के साथ वृक्षारोपण , पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अंचल वर्मा - दुर्ग, उत्तई। जनता के गोठ।

उत्तई - महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम पुरई में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डे एवं जिला महिला बाल विकास अधिकारी अजय कुमार साहू के मार्गदर्शन तथा परियोजना अधिकारी उषा झा के दिशा-निर्देशन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रद्धा साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

इस अवसर पर सरपंच डोमार सिंह साहू, उपसरपंच एवं उत्तई मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर, परियोजना अधिकारी उषा झा, कृषि

विज्ञान केंद्र अंजोरा की डॉ. निशा शर्मा, पंचगण, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए बाल भोज, गर्भवती माता की गोद भराई, बाल गीत, रंगोली, मेहंदी, खेलकूद सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हितग्राहियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी, पौष्टिक थाली तथा छत्तीसगढ़ की पारंपरिक भाजियों का प्रदर्शन भी किया गया।

पीला चावल देकर आमंत्रण की हुई सराहना मुख्य अतिथि श्रद्धा साहू ने

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा अतिथियों को पीला चावल देकर आमंत्रित करने की परंपरा की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महंगे आमंत्रण पत्रों पर अनावश्यक खर्च करने के बजाय हमारी पारंपरिक एवं सरल आमंत्रण पद्धति को अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रमों में बर्तन बैंक के उपयोग, प्लास्टिक का कम से कम इस्तेमाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

परियोजना अधिकारी उषा झा ने उपस्थित सभी लोगों को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं बाल विवाह मुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई। वहीं कार्यक्रम में खिलौना बैंक के महत्व और उपयोग के



संबंध में भी विशेष रूप से प्रचार-प्रसार किया गया।

उत्तई मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर द्वारा बच्चों को बांटे गए खिलौने

उत्तई मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर द्वारा ग्राम पुरई के तीनों आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए खिलौने एवं सभी बच्चों को उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम से प्रेरित

होकर अन्य महिलाओं ने भी बच्चों के लिए खिलौने दान किए। इससे खिलौना बैंक को और मजबूत करने की पहल को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम के दौरान पर्यवेक्षक

सोनल सोनी तिवारी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अधिक से अधिक बालिकाओं के खाते खुलवाने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

आयोजन के दौरान उत्कृष्ट सहभागिता के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, मितानिनों एवं हितग्राहियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पंचायत की ओर से परियोजना अधिकारी उषा झा एवं डॉ. निशा शर्मा को शॉल एवं श्रीफ्त भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों को श्रीफ्त एवं पौधे भेंट किए गए। विभिन्न गतिविधियों में

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का सफल संचालन ग्राम पुरई की सचिव सुनीता निर्मलकर तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता टिलेश्वरी साहू, कुंजवता साहू एवं नेहा साहू ने किया। आंगनबाड़ी सहायिकाओं ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के माध्यम से महिला एवं बाल विकास योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ पोषण, बालिका शिक्षा, बाल विवाह रोकथाम, पर्यावरण संरक्षण और साथ में वृक्षारोपण करने का सामुदायिक सहभागिता का संदेश दिया गया।

नशे में वाहन चलाना पड़ा भारी, 9 माह में 1001 चालकों पर कार्रवाई

1.13 करोड़ से अधिक समन शुल्क वसूला, 251 लाइसेंस जब्त; 144 लाइसेंस तीन माह के लिए निलंबित

बलरामपुर (जनता के गोठ) : सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ बलरामपुर पुलिस ने नशे में वाहन चलाने वालों पर शिकंसा कस दिया है। वर्ष 2026 के प्रथम नौ माह में पुलिस ने शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए 1001 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किए। इन मामलों में न्यायालय के माध्यम से कुल 1 करोड़ 13 लाख 15 हजार 400 रुपए समन शुल्क वसूला गया है।

पुलिस कार्रवाई के दौरान 251 वाहन चालकों के लाइसेंस जब्त किए गए, जिनमें से 144 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस तीन माह के लिए निलंबित किए गए हैं। पुलिस द्वारा नशे में वाहन चलाने वालों की पहचान के लिए ब्रेथ एनालाइजर से जांच भी की जा रही है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक वैभव बैकर (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं आंतरिक पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन में की जा रही है। पुलिस का कहना है कि



कार्रवाई का उद्देश्य केवल यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई करना नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है।

हादसे से पहले चेत जाएं वाहन चालक

शराब के नशे में वाहन चलाना चालक के साथ सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। बलरामपुर पुलिस ने वाहन चालकों से शराब या किसी भी प्रकार के नशे की हालत में

वाहन नहीं चलाने, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करने तथा निर्धारित गति सीमा एवं यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

पुलिस ने लोगों से यह भी अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति नशे की हालत में वाहन चलाने जा रहा है तो उसे रोकें और सुरक्षित साधन से घर पहुंचने के लिए प्रेरित करें। पुलिस का स्पष्ट संदेश है—

नशे में वाहन चलाना, जीवन को खतरे में डालना है। सुरक्षित चले, सुरक्षित पहुंचें।

55 प्रशित दिव्यांगता को मात देकर 16 हजार किमी की साइकिल यात्रा, जज्बे को सलाम!

पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति का संदेश लेकर देशभर में निकले आगरा के वासु राइडर का बलरामपुर में सम्मान

बलरामपुर (जनता के गोठ) : 55 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद हौसले और जुनून के दम पर करीब 16 हजार किलोमीटर की साइकिल यात्रा कर रहे आगरा निवासी श्री वासु राइडर ने लोगों के सामने मिसाल पेश की है। पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश लेकर देशभर में साइकिल से जनजागरूकता अभियान चला रहे वासु राइडर के बलरामपुर पहुंचने पर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने



उनका उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी

एवं पुलिस अधीक्षक वैभव बैकर ने वासु राइडर से मुलाकात कर

उनके अभियान की सराहना की। इस दौरान उन्हें प्रशंसा पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। वासु राइडर की यह यात्रा केवल दूरी तय करने का अभियान नहीं, बल्कि समाज को नशे से दूर रहने, पर्यावरण बचाने और स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश देने की पहल है। 55 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद हजारों किलोमीटर साइकिल चलाकर जनजागरूकता फैलाने का उनका संकल्प लोगों के लिए प्रेरणादायी बना हुआ है। प्रशासनिक अधिकारियों ने उनके जज्बे की सराहना करते हुए उनके अभियान के सफल होने की शुभकामनाएं दीं। वहीं, वासु राइडर ने भी लोगों से पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

सीमांकन पर विवाद, प्रशासन पर सवाल, सत्तापक्ष पर आरोप

बिलासपुर रिपोर्ट -भूपेन्द्र सिंह राठौर (जनता के गोठ)। बिलासपुर के सेलर में जमीन के सीमांकन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सरपंच धनंजय सिंह ठाकुर ने राजस्व विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर आपत्ति जताई है। वहीं उन्होंने सत्तापक्ष से जुड़े लोगों पर राजनीतिक दबाव बनाकर कार्रवाई कराने का आरोप लगाया है।

विओ -- सरपंच का कहना है कि सुबह पटवारी उनके घर पहुंचे और उनके भाई के ईट-भट्टे से लगी जमीन के सीमांकन की बात कही, लेकिन उन्हें पहले कोई नोटिस नहीं दिया गया था। मामले की जानकारी मिलने के बाद तहसीलदार मनोपा झा के मौके पर पहुंचने की बात भी सरपंच ने कही। सरपंच के मुताबिक खड़ी फसल के कारण तत्काल सीमांकन नहीं हो सका। उनका कहना है कि जब सीमांकन किया ही जा रहा है तो सिर्फ एक खसरे का नहीं, बल्कि उनकी करीब 60 एकड़ जमीन से जुड़े सभी खसरों का निष्पक्ष सीमांकन कराया जाए।यहीं से सरपंच ने प्रशासन की



कार्रवाई की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि कार्रवाई के पीछे राजनीतिक दबाव है और सत्तापक्ष से जुड़े प्रभावशाली लोगों के इशारे पर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।सरपंच ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में वन विभाग की जमीन पर मुरम खनन, अरपा नदी से रेत उत्खनन और जमीन-कॉलोनार्इजिंग से जुड़े कई मामलों में भी प्रभावशाली लोगों की भूमिका को लेकर सवाल उठते रहे हैं। उन्होंने मल्टी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल से जुड़े जमीन मामले का भी जिक्र किया। धनंजय सिंह ठाकुर का दावा है कि उनकी राजनीतिक

पृष्ठभूमि के चलते व्यक्तिगत इंटरेशन से कार्रवाई कराई जा रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि अगर जांच और सीमांकन होना है तो बिना किसी राजनीतिक दबाव के सभी संबंधित जमीनों की निष्पक्ष जांच और सीमांकन कराया जाए। फ्लिहाल सरपंच के आरोपों ने राजस्व विभाग की कार्रवाई और राजनीतिक दबाव, दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देkhना होगा कि प्रशासन और सत्तापक्ष की ओर से इन आरोपों पर क्या जवाब सामने आते हैं।

बाइट ड्रु धनंजय सिंह ठाकुर, सरपंच सेलर

बलरामपुर (डौरा) में गूंगा सेवा संकल्प, जल जन सेवा यात्रा का ऐतिहासिक स्वागत

तक्कमोदी के 25 साल के सेवा कार्यों को लेकर वड़नगर से काशी तक निकली यात्रा का जिले में जगह-जगह हुआ अभिनंदन, युवाओं में दिखा जबरदस्त जोश

बलरामपुर (जनता के गोठ) : देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा वड़नगर (गुजरात) से काशी (वाराणसी) तक निकाली जा रही जल जन सेवा संकल्प यात्रा आज बलरामपुर जिले की धरती पर पहुंची तो पूरा माहौल देशभक्ति और सेवा के रंग में रंग गया। यात्रा के स्वागत के लिए जिले भर के युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा के निर्देश एवं भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल के कुशल मार्गदर्शन एवं मंगलम पांडे जिला अध्यक्ष भाजयुमो के सहयोग में यात्रा जिले में निकली। यात्रा के जिला प्रभारी अभय पैकरा और आकाशदीप पटेल के नेतृत्व में युवाओं की टोली पूरे जोश के साथ चल रही है, वहीं प्रथम दिवस के प्रभारी प्रशान्त सिंह ने पूरी व्यवस्था का मोर्चा संभाला।



परसवार से गुंजा जय श्री राम, बाईक रैली से हुआ आगान शाम ठीक 04 बजे जैसे ही यात्रा ने परसवार चौक में एंट्री की, कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय और जय श्री राम के नारों से स्वागत किया। परसवार में यात्रा के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान अवधेश चंदेल, शिवनाथ यादव, जितेन्द्र देवांगन, वनकेश साहू, आशीष जायसवाल,विकाश

जायसवाल निह्कु सिंह राजेश यादव एवं युवा मोर्चा डौरा की पूरी टीम ने बाईक रैली के साथ काफिले को आगे बढ़ाया। बाईकों के काफिले के साथ यात्रा ने पूरे क्षेत्र में सेवा संकल्प का संदेश दिया।

डौरा बना आकर्षण का केंद्र, जनपद अध्यक्ष ने किया अभिनंदन

शाम 05:00 बजे काफिला डौरा स्कूल प्रांगण पहुंचा तो नजारा देखने लायक था। ढोल-नगाड़ों की

थाप पर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। स्कूल प्रांगण में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता मौजूद थे।

यहाँ जनपद अध्यक्ष सुमित्रा चेरवा ने यात्रा में शामिल युवाओं का अभिनंदन किया। इस मौके पर वरिष्ठ नेता महेन्द्र गुप्ता, राजू गुप्ता, गिरजानंद पटेल, संतोष आग्राम, देवकुमार, भागीरथी, ममता रजक, अनिता, राजेन्द्र , सोमार यादव, प्रेमलाल रजक राजेंद्र काशी चरकु

यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया।

युवाओं ने सुनाई मोदी सरकार की योजनाओं से बदली तकदीर की कहानी

स्कूल प्रांगण में ही युवा लाभार्थी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस संवाद कार्यक्रम में युवाओं ने केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे मूढा योजना, स्मिल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि से मिले लाभों को साझा किया और पीएम मोदी के 25 साल के सेवा संकल्प को नमन किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि जल संरक्षण और जन सेवा ही इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य है और पीएम मोदी के सेवा के संकल्प को हर घर तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में युवा मोर्चा बलरामपुर की टीम की सक्रिय भागीदारी रही और अंत में सभी ने जल बचाने और सेवा करने का संकल्प लिया।

किसी एक दल की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी लोकतांत्रिक शक्तियों और जागरूक नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने मताधिकार, नागरिक अधिकारों, संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर आपसी समन्वय के साथ आगे बढ़ने की बात कही।

राकेश ठाकुर ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जनता के अधिकारों और संविधान की रक्षा से जुड़ी हुई है। आज आवश्यकता है कि सभी लोकतांत्रिक एवं समान विचारधारा वाले दल जनहित के मुद्दों पर एकजुट होकर जनता की आवाज को मजबूती प्रदान करें। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के माध्यम से लोकतांत्रिक अधिकारों, मताधिकार और संविधान की रक्षा के लिए संयुक्त रूप से जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 6 अक्टूबर को होने वाला पैदल मार्च इसी सामूहिक प्रयास का हिस्सा है।

धीरज बाकलीवाल ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता के अधिकारों, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती से जुड़ा हुआ

है। सभी समान विचारधारा वाले दलों के बीच समन्वय के साथ जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस एवं सहयोगी दलों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से 6 अक्टूबर के पैदल मार्च में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

मुकेश चंद्राकर ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए सभी लोकतांत्रिक शक्तियों को मिलकर कार्य करना आवश्यक है। इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी दल जनता के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर आपसी तात्मेल के साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने 6 अक्टूबर के पैदल मार्च को लोकतंत्र, संविधान, मताधिकार और नागरिक अधिकारों के प्रति जागरूकता का सामूहिक प्रयास बताया।

संयुक्त प्रेस वार्ता में सहयोगी दलों के प्रतिनिधियों ने 6 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे आयोजित पैदल मार्च में सभी लोकतांत्रिक एवं समान विचारधारा वाले संगठनों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा आम नागरिकों से सहभागिता की अपील की।

फर्जी वन अधिकार पट्टे का झांसा देकर तीन व्यक्ति से लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

कवर्था (जनता के गोठ)। कबीरधाम जिले के झलमला थाना क्षेत्र में वन अधिकार पट्टा बनवाने का झांसा देकर ग्रामीणों से 2 लाख 10 हजार रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर तीन लोगों को वन अधिकार पट्टा दिलाने का भरोसा दिया और उनसे रकम वसूल ली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार ग्राम अंजना निवासी राजेन्द्र धुर्वे ने पंछू सिंह धुर्वे, संतोष धुर्वे, उमर सिंह कुसरे को वन अधिकार पट्टा बनवाने के नाम पर तीन ग्रामीणों से अलग-अलग रकम लेकर कुल 2 लाख 10 हजार रुपये लिए थे। आरोपी ने ग्रामीणों को ऐसे दस्तावेज उपलब्ध कराए, जिन्हें वन अधिकार पट्टा बताया गया। कुछ समय बाद पीड़ित इन दस्तावेजों के आधार पर किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण लेने और खाद प्राप्त करने के लिए सोसायटी पहुंचे।



सोसायटी में दस्तावेजों की जांच के दौरान संदेह होने पर ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से इसकी पुष्टि कराई। वन विभाग से सत्यापन कराने

पर इन कथित वन अधिकार पट्टों का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं मिला। जांच में दस्तावेज फर्जी पाए जाने के बाद पीड़ितों ने मामले की शिकायत पुलिस से की। शिकायत के आधार पर झलमला पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी राजेन्द्र धुर्वे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से फर्जी वन अधिकार पट्टे समेत संबंधित दस्तावेज बरामद किए हैं। पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 338 और 336(3) के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की गई।

पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी सरकारी योजना, पट्टा या दस्तावेज के नाम पर किसी व्यक्ति को रकम देने से पहले संबंधित विभाग से दस्तावेजों का सत्यापन जरूर कराएं।

बजावंड सेवा सेतु शिविर में सांसद श्री महेश कश्यप की मौजूदगी में हितग्राहियों को मिली सौगात

महिला समूहों को 47 लाख रुपए का बैंक लिंकेज

भुजबल बघेल बकावंड, जनता के गोठ।04 अक्टूबर 2026/ विकासखंड बकावंड के ग्राम बजावंड में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से एक दिवसीय वृहद 'सेवा सेतु शिविर' का गरिमायु आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप उपस्थित रहे, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनबारी भद्रे ने की। इस शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को मौके पर ही योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान किया गया। क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण को नई गति देते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों



को 47 लाख रुपये का बैंक लिंकेज प्रदान किया गया, जिससे वे स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगी। इसके साथ ही राजस्व विभाग द्वारा स्वामित्व योजना के तहत 35 ग्रामीणों को अधिकार अभिलेख वितरित किए गए। वहीं विभिन्न शासकीय सेवाओं के त्वरित निराकरण के तहत पात्र हितग्राहियों

को 16 जाति प्रमाण पत्र और 11 श्रम कार्ड भी मौके पर ही सौंपे गए। महिला एवं बाल विकास विभाग के सौजन्य से शिविर में सामाजिक सरोकार की झलक भी देखने को मिली, जहां 6 गर्भवती महिलाओं की पूरे विधि-विधान से गोद भराई की रस्म अदा कर उन्हें पोषण सामग्री भेंट की गई। साथ ही क्षेत्र में

स्वास्थ्य व पोषण सेवाओं के उत्कृष्ट संचालन के लिए 8 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और 1 सहायिका को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सांसद श्री महेश कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि सेवा सेतु शिविरों का मुख्य ध्येय शासन की नीतियों और योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक

पारदर्शी ढंग से पहुंचाना है। शिविर स्थल पर ही विभिन्न समस्याओं के तत्काल समाधान और लाभ वितरण से ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ सुभाऊ कश्यप, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री तरुण पांडे एवं जिला पंचायत सदस्य श्री बनवासी मौर्य सहित 20 ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनपद सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। प्रशासनिक स्तर पर अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल, जनपद पंचायत बकावंड की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती श्वेता साहू, नायब तहसीलदार श्री सुनील ध्वज तथा बीआरसी श्री सोन सिंह ने शिविर में मौजूद रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी की। इस शिविर में क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

पिकअप से 6 गैस सिलेंडर चोरी,

सात आरोपी गिरफ्तार



जाहद अंसारी (जनता के गोठ)। प्रतापपुर। शांति नगर स्थित इंडियन गैस गोदाम के पास खड़े पिकअप वाहन से छह भरे हुए गैस सिलेंडर चोरी होने के मामले में प्रतापपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरी गए सिलेंडरों की अनुमानित कीमत करीब 24 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपियों को विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, गैस एजेंसी में सिलेंडर वितरण का कार्य करने वाले जगदीश, निवासी जोधपुर (राजस्थान), 26 सितंबर की शाम करीब 6 बजे पिकअप वाहन क्रमांक छब293394 से गैस वितरण के बाद छह भरे हुए सिलेंडर लेकर शांति नगर स्थित गैस

गोदाम के पास वाहन खड़ा कर हिसाब-किताब के लिए इंडियन गैस कार्यालय गए थे। करीब एक घंटे बाद शाम 7 बजे वापस लौटने पर वाहन में रखे छह सिलेंडर गायब मिले। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास तलाश की गई, लेकिन सिलेंडरों का सुराग नहीं

मिला। शिकायत के आधार पर प्रतापपुर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने सीसी कैमरों के फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान की और पृच्छाछ के बाद सात आरोपियों को गिरफ्तार किया।

युवा एवं ईको क्लब ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

छात्राओं ने गड्डों में मिट्टी भरकर आवागमन सुगम बनाने के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का दिया परिचय

बकावंड जनता के गोठ। विकासखंड मुख्यालय स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बकावंड, जिला-बस्तर में युवा एवं ईको क्लब के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई। यह गतिविधि प्राचार्य श्रीमती मालती पांभोई के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस दौरान छात्राओं एवं शिक्षकों ने ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों की सुरक्षा तथा प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया। वहीं युवा एवं ईको क्लब की टीम ने मार्ग में बने गड्डों में मिट्टी भरकर आवागमन को सुगम बनाने का प्रयास किया। गतिविधि में



नूरजहां गोता, सोनाराय चौधरी, सुष्मा बघेल, सरोजनी करपे, भानु प्रताप, तोमन कुमार वर्मा एवं फर्मेदर सहित शिक्षकगण एवं छात्राएं सक्रिय रूप से शामिल रहीं। युवा एवं ईको क्लब की इस पहल से विद्यार्थियों में सेवा भावना, सामाजिक जिम्मेदारी,

सामुदायिक सहभागिता एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का संदेश मिला। विद्यालय की यह पहल स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास रही।

बरियों पुलिस की कार्रवाई में 36 किलो 300 ग्राम गांजा के पौधे जप्त, कीमत करीब 3.50 लाख रुपए; आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

बलरामपुर (जनता के गोठ) : नशीले पदार्थों की अवैध खेती और कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बरियों पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। ग्राम खुखरी के रखैतपारा में सब्जी की फसल के बीच गांजा के पौधों की खेती किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए 112 नग गांजा के पौधे बरामद किए हैं, जिनका कुल वजन करीब 36 किलो 300 ग्राम और अनुमानित कीमत 3 लाख 50 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार



3 अक्टूबर 2026 को ग्राम खुखरी के हल्का पटवारी ने फसल गिरदावरी के दौरान आरोपी द्वारा अपने कब्जे की भूमि स्थित बाड़ी में सब्जी की फसल के बीच गांजा के पौधे लगाए जाने की

सूचना चौकी बरियों पुलिस को दी। सूचना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। तलाशी के दौरान आरोपी कबीर

साय टेकाम (51 वर्ष), निवासी खुखरी रखैतपारा की बाड़ी में सब्जी की फसल के बीच गांजा के छोटे-बड़े पौधे, डगाल, हरे पत्ते और तने सहित कुल 112 पौधे मिले। पुलिस ने पंचों की मौजूदगी में पौधों की गिनती और वजन कर उन्हें जप्त किया। मामले में चौकी बरियों, थाना राजपुर, अपराध क्रमांक 248/2026 के तहत धारा 20(बी)(द्वंद्व)(घ), 8(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक नशीले पदार्थों की खेती, तस्करी और अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस, राजस्व और वन विभाग की संयुक्त समन्वय व्यवस्था के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है।

बलौदाबाजार में साहू समाज की मातृशक्तियों का तीजा मिलन कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न

(जनता के गोठ)। बलौदाबाजार में साहू समाज की मातृशक्ति बहनों द्वारा तीजा मिलन कार्यक्रम का भव्य एवं हषोल्हसपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की बड़ी संख्या में मातृशक्तियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर पारंपरिक तीज पर्व की खुशियों को साझा किया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए अनेक मनोरंजक, सांस्कृतिक एवं पारंपरिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिससे पूरे कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़ (बाटी), बिंदी लगाओ, रिंग डालो, भाषण प्रतियोगिता (तुरंत चिट निकालकर भाषण), बैलून गेम, बिस्किट गेम, जनउल्ला, फुाड़ी तथा जलेबी दौड़ जैसी आकर्षक प्रतियोगिताएं



आयोजित की गईं। सभी प्रतियोगिताओं में मातृशक्ति बहनों ने बड़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा, उत्साह एवं आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के समापन पर विजेता प्रतिभागियों को सम्मानपूर्वक पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। तीजा मिलन कार्यक्रम ने समाज की महिलाओं को एक मंच पर जोड़ने, आपसी प्रेम, भाईचारा, सामाजिक

एकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृढ़ करने का प्रेरणादायी संदेश दिया। उपस्थित सभी मातृशक्तियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए आयोजकों को सफ़्त आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में जिला साहू संघ के अध्यक्ष श्री सुनील साहू, उपाध्यक्ष राजाराम साहू, श्रीमती संध्या साहू, संगठन सचिव सुशील साहू, महासचिव रवि साहू, न्याय प्रकोष्ठ संयोजक सुरेंद्र साहू, तहसील



अध्यक्ष पारसमणी साहू, जिला कार्यकारिणी सदस्य बी.पी. साहू, परिक्षेत्र अध्यक्ष (नगर भाटापारा) राजेश साहू, भरसेला परिक्षेत्र अध्यक्ष खिलावन साहू, वरिष्ठ समाजसेवी कल्याणी साहू, निर्मला साहू, जवा साहू, प्रेमिन साहू, कामना साहू, ललित साहू, प्रमिला साहू, रूखमणी साहू, श्रीमती आशा साहू, श्रीमती योगेश्वरी साहू, श्रीमती राधिका साहू, चंद्रकांता साहू, श्रीमती गीता साहू, यामिनी साहू,

संतोषी साहू, भुनेश्वरी साहू, दुलौरीन साहू, रजनी साहू, बुधयारीन साहू, जामवंती साहू सहित नगर की बड़ी संख्या में मातृशक्तियां एवं समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफ़्त आयोजन में आशा साहू, योगेश्वरी साहू, चंद्रकांता साहू, मंजू साहू, प्रतिमा साहू, गीता साहू, बिन्देश्वरी साहू, राधिका साहू, दीपा साहू, शोशा साहू, शिवमति साहू, दरसपुरन साहू एवं रूखमणी साहू का विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा ने आसान की अंदरूनी इलाकों की राह

बिनता घाटी के भेजा गांव तक एक साल से अनवरत दौड़ रहा विकास का पहिया



बकावंड जनता के गोठ।04 अक्टूबर 2026/ बस्तर संभाग के दूरदराज और वनांचल क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुरू की गई 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना' आम नागरिकों के लिए वरदान साबित हो रही है। इंद्रावती नदी के सुरम्य तट और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण बिनता घाटी की वादियों में बसा ग्राम भेजा सहित क्षेत्र के अन्य गांव, जो कभी भौगोलिक दुर्गमता और माओवाद के साए के कारण विकास की मुख्यधारा से कटे हुए थे, वहां यह बस सेवा पिछले एक साल से सफ़लता और निरंतरता के साथ संचालित की जा रही है। जगदलपुर से मारडूम होकर अंतिम

छार पर स्थित ग्राम भेजा तक बांटे एक वर्ष से नियमित रूप से चल रही इस यात्री बस ने पूरे क्षेत्र में विकास, सुरक्षा और सामाजिक जुड़ाव का एक मजबूत पुल तैयार किया है। सुदूर इलाके के इस मार्ग पर चलने वाली बस से कस्तूरपाल निवासी सीबीराम और दशरू करटम, मटनार निवासी बाबूलाल तथा बिनता के अरुण कुमार जैसे ग्रामीण पिछले एक साल से नियमित यात्रा कर रहे हैं। इन यात्रियों का कहना है कि दशकों तक नक्सल

साल में इस नियमित बस सेवा ने उनकी जिंदगी को पूरी तरह बदल दिया है। अब तय समय-सारणी के अनुसार बस मिलने से न केवल सुरक्षित, सुलभ और किफ़ायती सफ़र मिल रहा है, बल्कि बाजार-हाट, अस्पताल, कॉलेज और जरूरी शासकीय कामकाज के लिए जिला मुख्यालय आना-जाना बहुत सहज हो गया है। एक साल के इस सफ़र सफ़र ने बिनता घाटी और इंद्रावती तट के ग्रामीणों में नया भरोसा जगाया है और स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति दी है।

विदाई की बेला में भावुक हुआ भटगांव, एसडीएम चांदनी कंवर को दी भावभीनी विदाई

स्थानांतरण के बाद तहसील कैंपस में हुआ विदाई समारोह, अधिकारियों-कर्मचारियों ने कार्यकाल को याद कर दी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं

जाहद अंसारी सुरजपुर भटगांव (जनता के गोठ)। भैयाथान की अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चांदनी कंवर के स्थानांतरण के बाद शनिवार को भटगांव तहसील कैंपस में विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में तहसील कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान अधिकारियों-कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर चांदनी कंवर का सम्मान किया और उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में वक्ताओं ने चांदनी कंवर के कार्यकाल को याद करते हुए उनके प्रशासनिक कार्यों और आगमन से जुड़े मामलों के निराकरण के प्रयासों की सराहना



की। वक्ताओं ने कहा कि प्रशासनिक पद पर रहते हुए आम लोगों की समस्याओं को सुनना और उनका नियमानुसार समाधान करना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। चांदनी कंवर ने अपने कार्यकाल के दौरान इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य किया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके साथ काम करने के अनुभव साझा करते हुए उनकी कार्यशैली, व्यवहार और दायित्वों के प्रति गंभीरता को याद किया। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवा में स्थानांतरण एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन

कार्यकाल के दौरान बने आत्मीय संबंध और साथ काम करने की यादें लंबे समय तक बनी रहती हैं। चांदनी कंवर के स्थानांतरण से तहसील कार्यालय में विदाई का माहौल भावुक नजर आया। समारोह के दौरान चांदनी कंवर को पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया। उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों और गणमान्य नागरिकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य तथा नई जिम्मेदारी में सफ़लता की कामना की। इस दौरान चांदनी कंवर ने भी अपने कार्यकाल में मिले सहयोग के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों और क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त

किया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन में टीम भावना और सभी का सहयोग महत्वपूर्ण होता है। भटगांव क्षेत्र में कार्य करते हुए उन्हें अधिकारियों-कर्मचारियों और आमजन से जो सहयोग मिला, वह उनके लिए हमेशा यादगार रहेगा। विदाई समारोह में भटगांव तहसीलदार शिव नारायण राठिया सहित तहसील कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। समारोह के अंत में उपस्थित लोगों ने चांदनी कंवर को पुष्पगुच्छ भेंटकर भावभीनी विदाई दी और उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

राजस्व कैप कार्यालय का मुआयना करने डोंगाघाट पहुंचे कमिश्नर श्री डोमन सिंह, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बकावंड जनता के गोठ। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र डोंगाघाट में पूर्व में दिए गए निर्देशों के पालन में स्थापित किए गए राजस्व कैप कार्यालय की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं का जायजा लेने कमिश्नर श्री डोमन सिंह, कलेक्टर के साथ मौके पर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि बाढ़ पीड़ितों को राहत राशि एवं आवश्यक औपचारिकताओं के लिए तहसील कार्यालय के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए कमिश्नर द्वारा मौके पर ही राजस्व विभाग का विशेष कैप कार्यालय शुरू करने का निर्देश दिया गया था। इसी निर्देश के तहत शुरू हुए कैप कार्यालय में पहुंचकर उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं का सघन निरीक्षण किया तथा कार्यप्रणाली में पाई गई कमियों को तुरंत दुरुस्त करने की सख्त हिदायत दी। इस कैप में बाढ़ प्रभावित नागरिक अपने बैंक पासबुक, पहचान संबंधी दस्तावेज जमा कर कागजी औपचारिकताएं सुगमता से पूरी कर रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अमले ने व्यवस्था को और अधिक



प्रभावी बनाने के लिए सुबह 9 बजे से लेकर रात 9 बजे तक विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शिफ्टवार इट्टी लगाते के निर्देश दिए, ताकि पीड़ितों को निरंतर सहायता मिलती रहे। इसके साथ ही कमिश्नर ने क्षेत्र में पूर्णतः क्षतिग्रस्त मकानों का स्वयं मुआयना किया और स्थानीय निवासियों से सीधा संवाद स्थापित

कर उनकी समस्याएं सुनीं। नागरिकों द्वारा विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था को लेकर उठाई गई मांगों पर तुरंत संज्ञान लेते हुए उन्होंने निगम कमिश्नर को बंद पड़ी सभी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल चालू कराने और विद्युत विभाग को बिजली आपूर्ति संबंधी सभी खामियों को प्राथमिकता से दूर करने के कड़े निर्देश दिए। प्रशासन ने स्पष्ट किया

कि प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के काम में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय खन्ना, नगर निगम आयुक्त श्री प्रवीण वर्मा, सहायक कलेक्टर श्री यशवंत नायक, अनुविभागीय दंडाधिकारी श्री मनीष वर्मा उपस्थित थे।

संपादकीय

गुजरात एटीएस, तटरक्षक बल और केंद्रीय खुफिया एजंसियों ने संयुक्त अभियान में ईरानी नौका से 526 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और हेरोइन जब्त की है। लक्षद्वीप के पास अरब सागर में एक ईरानी नाव से नशीले पदार्थों की बड़ी खेप पकड़े जाने की घटना ने इस सवाल को और गंभीर बना दिया है कि क्या भारत नशी की तस्करी का केंद्र बनता जा रहा है? तीन

हजार करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की इस खेप के साथ पांच पाकिस्तानी नागरिकों की गिरफ्तारी बताती है कि सीमा पार से समुद्र के रास्ते तस्करी का तंत्र कितना संगठित और सक्रिय है।सुरक्षा एजंसियों ने संयुक्त अभियान के तहत यह खेप पकड़ी है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर इसकी जानकारी दी। निश्चित रूप से यह सुरक्षा एजंसियों के

3 हजार करोड़ की नशीली खेप पकड़ी, फिर भी नहीं टूट रहा तस्करी का नेटवर्क

लिए बड़ी उपलब्धि हो सकती है, लेकिन अहम सवाल यह है कि देश में जिन लोगों तक इतनी बड़ी मात्रा में यह नशीला पदार्थ पहुंचाया जाना था, उनकी धर-पकड़ कब और कैसे हो पाएगी?क्योंकि, इससे पहले भी कई बार सीमा पार से लाई जा रही नशीले पदार्थों की खेप पकड़ी जा चुकी हैं, लेकिन उसमें आगे क्या कार्रवाई हुई, उसकी कोई जानकारी सार्वजनिक तौर पर

सामने नहीं आई है।गौरतलब है कि गुजरात एटीएस, तटरक्षक बल और केंद्रीय खुफिया एजंसियों ने संयुक्त अभियान में ईरानी नौका से 526 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और हेरोइन जब्त की है।

इससे पहले सितंबर 2021 में गुजरात की मुंद्रा बंदरगाह पर 2,988 किलोग्राम हेरोइन पकड़ी गई थी। वर्ष 2022 में मुंद्रा से ही करीब 52 किलोग्राम कोकोन और 75

किलोग्राम हेरोइन की जब्ती हुई थी।ऐसे में सवाल है कि बार-बार इतनी बड़ी खेपें पकड़े जाने के बाद भी नशीले पदार्थों की तस्करी के तंत्र को तोड़ने के प्रयास धरातल पर नजर क्यों नहीं आते हैं? हर बार बरामदगी और चंद लोगों की गिरफ्तारी की सूचना आती है, लेकिन इनके पीछे बैठे वित्तपोषकों, संचालकों, स्थानीय मददगारों और अंतिम खरीदारों तक जांच पहुंची या

नहीं, इसका कोई ब्योरा साझा नहीं किया जाता है।

इस मामले में भी जांच केवल नाव और उसमें सवार लोगों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा एजंसियों को यह पता लगाना होगा कि अंतरराष्ट्रीय तस्करों, भारत में मौजूद नेटवर्क और संभावित खरीदारों के बीच कड़ियां कहां जुड़ती हैं, तभी समस्या की जड़ तक पहुंचा जा सकता है।

सोना देकर भारत की ‘यवनप्रिया’ को ले जाता था रोम, इसी से निकलता था रोमन साम्राज्य का आधा खर्चा

(दिनेश मिश्र)

रोमन साम्राज्य ने अपने खर्च का आधा हिस्सा भारत के साथ व्यापार से मिलने वाले टैक्स से पूरा किया। पहली सदी.ष्ठ में पश्चिमी दुनिया का सबसे अमीर शहर एक ऐसे देश के साथ लंबे समय से असंतुलित व्यापार कर रहा था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं। भारत से कई चीजें पश्चिम की ओर जाती थीं और उसके बदले सोना पूर्व की ओर आता था। आज से दो हजार साल के करीब जब रोम अपने ताकत के चरम पर था, तब पश्चिमी दुनिया के सबसे अमीर शहर का एक ऐसे इलाके के साथ लंबा और असंतुलित व्यापारिक संबंध था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं। वह इलाका भारतीय उपमहाद्वीप था। पहली सदी ईसवी में पश्चिमी दुनिया का सबसे अमीर शहर रोम एक ऐसे देश भारत के साथ लंबे समय से असंतुलित व्यापार कर रहा था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं।

भारत से सामान पश्चिम की ओर जाता था और उसके बदले सोना पूर्व की ओर आता था। समुद्री इतिहासकार और हाउ मेरीटाइम ट्रेड एण्ड द इंडियन सबकंटीनेंट स्पेड द वर्ल्ड जैसे चर्चित किताब लिखने वाले निक कॉलिंग्स ने 30 सितंबर, 2026 को सोशल मीडिया एक्स पर भारत और रोम के बीच होने वाले व्यापार को लेकर एक पोस्ट किया।

इसमें उन्होंने बताया है कि भारत और रोम के बीच कारोबार इतना जबरदस्त था कि रोमन साम्राज्य अपने खर्च का आधा हिस्सा भारत के साथ व्यापार से मिलने वाले टैक्स से पूरा किया। यह व्यापार भारत की काली मिर्च को लेकर था, जिसके बदले रोमन सोना देकर जाते थे। भारतीय संस्कृत साहित्य में काली मिर्च को ‘यवनप्रिया’ भी कहा जाता था, क्योंकि यह रोमन यानी यवनों को प्रिय थी।
रोम में काली मिर्च के लिए बनवाए गए गोदाम – मैरीटाइम हिस्टोरियन निक कॉलिंग्स ने सोशल मीडिया पर लिखा-प्लिनी द एल्डर, जिन्होंने प्रांतों का शासन संभाला था और जिन्हें पता था कि टकसाल में क्या बनता है, उन्होंने अनुमान लगाया कि हर साल 50 मिलियन सेस्टर्सेस (रोमन मुद्रा) की कीमत की कीमती धातुएं (बुलियन) बाहर जाती थीं। सम्राट टाइबेरियस ने शिकायत की कि रोमन धन विदेशियों के पास जा रहा है। डोमिटियन ने शहर के बीचों-बीच काली मिर्च के लिए खास गोदाम बनवाए। एक बचे हुए पैपिरस (कागज) में दर्ज एक जहाज के माल की कीमत लगभग 9 मिलियन सेस्टर्सेस थी। सम्राट टाइबेरियस ने शिकायत की कि रोमन धन विदेशियों के पास जा रहा है। डोमिटियन ने शहर के बीचों-बीच काली मिर्च के लिए

आज से दो हजार साल के करीब जब रोम अपने ताकत के चरम पर था, तब पश्चिमी दुनिया के सबसे अमीर शहर का एक ऐसे इलाके के साथ लंबा और असंतुलित व्यापारिक संबंध था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं। वह इलाका भारतीय उपमहाद्वीप था। पहली सदी ईसवी में पश्चिमी दुनिया का सबसे अमीर शहर रोम एक ऐसे देश भारत के साथ लंबे समय से असंतुलित व्यापार कर रहा था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं। भारत से सामान पश्चिम की ओर जाता था और उसके बदले सोना पूर्व की ओर आता था। समुद्री इतिहासकार और हाउ मेरीटाइम ट्रेड एण्ड द इंडियन सबकंटीनेंट स्पेड द वर्ल्ड जैसे चर्चित किताब लिखने वाले निक कॉलिंग्स ने 30 सितंबर, 2026 को सोशल मीडिया एक्स पर भारत और रोम के बीच होने वाले व्यापार को लेकर एक पोस्ट किया।



खास गोदाम बनवाए। एक बचे हुए पैपिरस (कागज) में दर्ज एक जहाज के माल की कीमत लगभग 9 मिलियन सेस्टर्सेस थी।
भारतीय माल पर टैक्स से रोम का 50 फीसदी खर्च पूरा – कॉलिंग्स ने आगे लिखा-इतिहासकार ऋषभहृद रूऋहृददृद्यदृदृत्त ने इन आंकड़ों के आधार पर हिसाब लगाया है कि भारतीय माल पर लगने वाले कस्टम ड्यूटी से पूरे साम्राज्य को चलाने के लिए जरूरी राजस्व का लगभग आधा हिस्सा मिलता था। मिस्र में तैनात दो सेना-टुकड़ियों (लीजियन) ने उस कस्टम हाउस को संभाला हुआ था जिससे यह सब चलता था।
भारत से रोम क्या जाता था और बदले में क्या मिलता था – भारत काली मिर्च, हाथीदांत, रत्न, इत्र और दवाइयां भेजता था। रोम इसके बदले सोना जैसी कीमती धातुएं (बुलियन) देता था। आयात और निर्यात पर लगने वाले टैक्स से जो राजस्व मिलता था, उसने रोमन कुलीन वर्ग और खुद साम्राज्य को बदल दिया।रोम भूमध्य सागर को हमारा सागर कहता था। आर्थिक रूप से हिंद महासागर कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण था।
भारत से रोम को भेजी जाती थी काली

मिर्च – भारत से रोम को निर्यात में काली मिर्च सबसे आगे थी। मालाबार तट पर इसे उगाने वाले तमिल लोगों ने रोमन लोगों की इस चाहत को एक नाम दिया था-यवनप्रिया, यानी पश्चिमी लोगों का जुनून। माग इतनी ज्यादा थी कि डोमिटियन (81-96) ने शहर के बीचों-बीच विया सैक्रा के पास काली मिर्च और मसालों के लिए खास गोदाम बनवाए, जिन्हें होरिया पिपेराटारिया कहा जाता था।

200 टन काली मिर्च की कीमत रोमन सैन्य टुकड़ी की सालाना सैलरी – रोम में मौजूद दो सौ टन काली मिर्च की कीमत 60 लाख सेस्टर्स (उस समय की मुद्रा) से ज्यादा थी, जो एक पूरी सेना की टुकड़ी (लीजन) की सालाना तनखाह से भी अधिक थी। यह पूरे साम्राज्य में इतनी फैल गई थी कि आम घरों में भी थोड़ी-बहुत काली मिर्च मिल जाती थी। प्लिनी ने देखा कि यह चाहत समाज के हर स्तर तक पहुंच गई है।

उन्होंने कहा कि आजकल गरीब लोग भी मोतियों की चाहत रखते हैं। उन्होंने शिकायत की कि रोम में भारतीय सामान अपनी मूल कीमत से 100 गुना ज्यादा दाम पर बिकता

था, फिर भी उन्होंने माना कि मुनाफे की चाहत भारत को और करीब ले आती है। एशिया से रोम आने वाले सामान की 86 पहचानी गई श्रेणियों में से अकेले मसालों की 44 श्रेणियां थीं।
रोमन व्यापार की दौलत आने तमिल राज्यों में बड़ी दुश्मनी – यूरोप का ऐसा कोई सामान नहीं था जिसकी भारत में इतनी मांग हो कि दूसरी तरफ से कीमती धातुओं (बुलियन) के व्यापार के अंतर को खत्म किया जा सके। वाइन, जैतून का तेल, लाल मूंगा, तांबा, सीसा, रंग, कांच और एम्बर, ये सभी चीजें पूर्व की ओर भेजी जाती थीं, लेकिन उनकी कीमत उतनी नहीं थी। हर्मापोलॉन और उसके जैसे दूसरे जहाजों को लगातार सामान ढोने के लिए जो चीज प्रेरित करती थी, वह थी कीमती धातुएं (बुलियन)।

इस व्यापार से इतनी दौलत आई कि इसने भारतीय राजनीति को भी प्रभावित किया। दक्षिण में इतनी बड़ी मात्रा में रोमन सोना-चांदी आया कि इसने तमिल राज्यों के बीच आपसी दुश्मनी को बढ़ावा दिया।

रोमन आगस्टस के काल में व्यापार ज्यादा तमिल काव्य अकनानुरु में चेर और पांड्य राज्यों के बीच हुई एक लड़ाई का जिक्र है, जो बंदरगाह मुजिरिस की घेराबंदी और वहां के मंदिरों की लूटपाट तक पहुंच गई थी। श्रीलंका के राजा भाक्तिकभय (35-63) को लगभग 50 ईस्वी में तूफान के कारण वहां पहुंचे एक रोमन चांदी के सिक्के की गुणवत्ता ने बहुत प्रभावित किया।

उन्होंने सम्राट क्लॉडियस (41-54) के पास एक प्रतिनिधिमेंडल भेजा। सम्राट ने भी बदले में भूमध्यसागरीय लाल मूंगे का एक टुकड़ा भेजा, जिससे सदियों तक द्वीप पर स्थित एक बौद्ध मंदिर की शोभा बढ़ती रही। तमिल इलाके में ऑगस्टस के समय के रोमन सिक्कों के 20 से ज्यादा जखीरे मिले हैं, और टाइबेरियस के समय के भी कई सिक्के मिले हैं। ये उस दौर को दिखाते हैं जब व्यापार तेजी से बढ़ा था।

‘मैं नहीं जानता’ से शुरू होती है ज्ञान की असली यात्रा

दुनिया के इतिहास में ऐसी धार्मिक और वैचारिक व्यवस्थाएं रही हैं, जिन्होंने यह दावा किया कि अंतिम सत्य उनके पास पहले से मौजूद है। सत्य को पूर्ण रूप से प्रकट किया जा चुका है और अब मनुष्य का काम केवल उसे स्वीकार करना है। ऐसी व्यवस्था में असहमति केवल एक बौद्धिक मतभेद नहीं रह जाती। दर्शन प्रश्न करता है, कहरता उत्तर थोपती है। दर्शन कहता है कि सत्य की खोज जारी है, कहरता कहती है कि सत्य मिल चुका है। दर्शन दूसरे व्यक्ति को अपने साथ खोज में शामिल करता है, कहरता उससे अपने निष्कर्ष को स्वीकार करने की मांग करती है। इस निश्चितता का प्रभाव केवल विचारों तक सीमित नहीं रहता।

(मणि तिवारी)
किसी भी जीवित दर्शन की पहचान यही है कि वह अपने भीतर प्रश्न के लिए जगह बनाए रखता है। सुनने में यह वाक्य बहुत साधारण लगता है कि मैं नहीं जानता, लेकिन मनुष्य की समूची बौद्धिक यात्रा कहीं न कहीं इसी स्वीकारोक्ति से शुरू होती है। ज्ञान का पहला कदम यह मान लेना है कि अभी सब कुछ ज्ञात नहीं है। जिज्ञासा वहीं पैदा होती है, जहां निश्चितता समाप्त होती है। प्रश्न वहीं जन्म लेता है, जहां मनुष्य अपने ज्ञान की सीमा को पहचानता है। जब मनुष्य ने पहली बार अपने आसपास की दुनिया को देखकर पूछा होगा कि यह सब क्यों है, जीवन क्या है, मृत्यु के बाद क्या है, सत्य क्या है और स्वयं मनुष्य कौन है, तब उसके पास इन प्रश्नों के उत्तर नहीं रहे होंगे। उसने अज्ञात को स्वीकार किया और उसकी खोज शुरू की।

भारतीय दार्शनिक परंपरा को देखें, तो यह विनम्रता उसके भीतर बहुत गहराई से दिखाई देती है। वेदों और उपनिषदों की मूल चेतना में यह स्वीकारोक्ति मौजूद है कि अंतिम सत्य को सहज रूप से पकड़ लेना संभव नहीं है। उपनिषदों का ‘नेति नेति’ यानी ‘यह नहीं, यह भी नहीं’, इसी बोध की ओर संकेत करता है। सत्य को किसी एक सीमित परिभाषा में बंद करने के बजाय उसके बारे में लगातार प्रश्न करते रहना इस परंपरा की विशेषता रही है। ऋग्वेद का नासदीय सूक्त तो इस दृष्टि से और भी महत्वपूर्ण है। सृष्टि की उत्पत्ति के प्रश्न पर वह जिस प्रकार विचार करता है, उसमें एक गहरी बौद्धिक विनम्रता दिखाई देती है। सृष्टि के आरंभ में क्या था, कैसे था और उसे कौन जानता है, इन प्रश्नों के उत्तर में निश्चितता के बजाय संदेह और जिज्ञासा उपस्थित होती है। यहां तक कि अंत में यह संभावना भी रखी जाती है कि शायद वह भी न जानता हो, जो इस सृष्टि के सर्वोच्च रहस्य को जानने वाला माना जाता है। यही दर्शन की सुंदरता है। वह कहता है कि मैं खोज रहा हूं, इसलिए मैं जानना चाहता हूं। मैं जानना चाहता हूं, इसलिए मुझे यह स्वीकार करना होगा कि अभी मैं नहीं



जानता। यूनानी दार्शनिक सुकरात की पूरी दार्शनिक पद्धति के केंद्र में भी यही स्वीकार दिखाई देता है।

मनुष्य को अपने अज्ञान का बोध होना चाहिए – सुकरातों ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह था कि मनुष्य को अपने अज्ञान का बोध होना चाहिए। अपने अज्ञान को स्वीकार करना उसके लिए कमजोरी नहीं, बल्कि ज्ञान की शुरुआत थी। जो व्यक्ति यह मानता है कि वह सब कुछ जानता है, उसके लिए प्रश्न करने की कोई आवश्यकता ही नहीं बचती। मगर जो यह स्वीकार करता है कि वह नहीं जानता, उसके भीतर खोज की संभावना बनी रहती है।

यही कारण है कि ‘मैं नहीं जानता’ दरअसल ज्ञान के प्रति एक नैतिक और बौद्धिक जिमेदारी भी है। यह मनुष्य को विनम्र बनाता है। यह उसे दूसरे की बात सुनने की क्षमता देता है। यह उसे अपने विचारों पर पुनर्विचार करने की स्वतंत्रता देता है। समस्या तब शुरू होती है, जब मनुष्य ‘मैं नहीं जानता’ से आगे बढ़कर ‘मैं ही जानता हूं’ की स्थिति में पहुंच जाता है। जब किसी व्यक्ति, समूह या

परंपरा को यह विश्वास हो जाता है कि उसके पास अंतिम सत्य है, तब प्रश्न पूछने की जगह समाप्त होने लगती है। जहां प्रश्न समाप्त होते हैं, वहां दर्शन अपनी प्रकृति खोने लगता है।

दुनिया के इतिहास में ऐसी धार्मिक और वैचारिक व्यवस्थाएं रही हैं, जिन्होंने यह दावा किया कि अंतिम सत्य उनके पास पहले से मौजूद है। सत्य को पूर्ण रूप से प्रकट किया जा चुका है और अब मनुष्य का काम केवल उसे स्वीकार करना है। ऐसी व्यवस्था में असहमति केवल एक बौद्धिक मतभेद नहीं रह जाती। दर्शन प्रश्न करता है, कहरता उत्तर थोपती है। दर्शन कहता है कि सत्य की खोज जारी है, कहरता कहती है कि सत्य मिल चुका है। दर्शन दूसरे व्यक्ति को अपने साथ खोज में शामिल करता है, कहरता उससे अपने निष्कर्ष को स्वीकार करने की मांग करती है। इस निश्चितता का प्रभाव केवल विचारों तक सीमित नहीं रहता। जब कोई विचार अपनी ऐतिहासिक और दार्शनिक परिस्थितियों से अलग होकर कठोर नियम

में बदल जाता है, तो दर्शन धीरे-धीरे कर्मकांड में बदल सकता है।

किसी विशेष समय, स्थान या ऐतिहासिक परिस्थिति में उत्पन्न हुई बात को शाश्वत और अनिवार्य मान लिया जाता है। फिर उस पर प्रश्न करना परंपरा का विरोध माना जाने लगता है। यहीं से एक और समस्या पैदा होती है। जब विचार अपने मूल अर्थ से कट जाता है और केवल उसकी बाहरी अभिव्यक्ति बचती है, तो कर्मकांड दर्शन की जगह ले लेता है। मनुष्य यह पूछना बंद कर देता है कि किसी आचरण का अर्थ क्या है और केवल यह पूछता है कि उसे कैसे करना है। ‘क्यों’ की जगह ‘कैसे’ ले लेता है। प्रश्न की जगह नियम आ जाता है।

किसी भी जीवित दर्शन की पहचान यही है कि वह अपने भीतर प्रश्न के लिए जगह बनाए रखता है। जो परंपरा अपने ही मूल प्रश्नों से डरने लगे, उसके भीतर जड़ता पैदा होना स्वाभाविक है। इसलिए ‘मैं नहीं जानता’ कहना केवल विनम्रता नहीं है। यह मनुष्य को हिंसा से भी दूर रख सकता है। जब यह पता हो कि मेरी समझ सीमित है, तो दूसरे की समझ को पूरी तरह गलत मानने से पहले रुकना होगा, सुनना होगा, प्रश्न उभरेगा और संभव है कि विचार बदल भी जाए।

शायद सभ्यता के लिए सबसे खतरनाक वाक्य ‘मैं जानता हूं’ नहीं, बल्कि ‘केवल मैं ही जानता हूं’ है। मनुष्य को खुद पर विश्वास रखना चाहिए। उसे अपनी परंपरा से प्रेम भी करना चाहिए, लेकिन प्रेम और निश्चितता एक ही चीज नहीं हैं। अपनी परंपरा को समझने का सबसे अच्छा तरीका शायद यह नहीं कि हम उसके हर उत्तर को अंतिम मान लें, बल्कि यह है कि हम उसके भीतर मौजूद प्रश्नों को फिर से सुनें। जब तक मनुष्य यह कह सकने की क्षमता रखता है कि ‘मैं नहीं जानता’, तब तक उसके भीतर जानने की संभावना जीवित रहती है। जिस दिन वह अपनी सीमित समझ को अंतिम सत्य मान लेता है, उसी दिन दर्शन का अंत शुरू हो जाता है।

पुरई ग्राम में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन , बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ के साथ वृक्षारोपण , पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अंचल वर्मा – दुर्ग, उत्तई। जनता के गोठ।

उत्तई – महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम पुरई में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डे एवं जिला महिला बाल विकास अधिकारी अजय कुमार साहू के मार्गदर्शन तथा परियोजना अधिकारी उषा झा के दिशा-निर्देशन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रद्धा साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई।

इस अवसर पर सरपंच डोमार सिंह साहू, उपसरपंच एवं उत्तई मंडल अध्यक्ष शीतला ग्राम, परियोजना अधिकारी उषा झा, कृषि विज्ञान केंद्र अंजोरा की

डॉ. निशा शर्मा, पंचगण, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए बाल भोज, गर्भवती माता की गोद भराई, बाल गीत, रंगोली, मेहंदी, खेलकूद सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हितग्राहियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी, पौष्टिक थाली तथा छत्तीसगढ़ की पारंपरिक भाजियों का प्रदर्शन भी किया गया।

पीला चावल देकर आमंत्रण की हुई सराहना – मुख्य अतिथि श्रद्धा साहू ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा

अतिथियों को पीला चावल देकर आमंत्रित करने की परंपरा की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महंगे आमंत्रण पत्रों पर अनावश्यक खर्च करने के बजाय हमारी पारंपरिक एवं सरल आमंत्रण पद्धति को अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रमों में बर्तन बैंक के उपयोग, प्लास्टिक का कम से कम इस्तेमाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

परियोजना अधिकारी उषा झा ने उपस्थित सभी लोगों को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं बाल विवाह मुक्त समाज बनाने की शपथ दलाई। वहीं कार्यक्रम में खिलौना बैंक के महत्व और उपयोग के संबंध में भी विशेष रूप



से प्रचार-प्रसार किया गया।

उत्तई मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर द्वारा बच्चों को बांटे गए खिलौने – उत्तई मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर द्वारा ग्राम पुरई के तीनों

आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए खिलौने एवं सभी बच्चों को उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम से प्रेरित होकर अन्य महिलाओं ने भी बच्चों के लिए खिलौने दान किए। इससे खिलौना

बैंक को और मजबूत करने की पहल को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम के दौरान पर्यवेक्षक सोनल सोनी तिवारी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अधिक से अधिक बालिकाओं के खाते खुलवाने के लिए लोगों को प्रेरित किया। आयोजन के दौरान उत्कृष्ट सहभागिता के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, मितानिनों एवं हितग्राहियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पंचायत की ओर से परियोजना अधिकारी उषा झा एवं डॉ. निशा शर्मा को शॉल एवं शीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों

को शीफल एवं पौधे भेंट किए गए। विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन ग्राम पुरई की सचिव सुनीता निर्मलकर तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता टिलेश्वरी साहू, कुंजलता साहू, एवं नेहा साहू ने किया। आंगनबाड़ी सहायिकाओं ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के माध्यम से महिला एवं बाल विकास योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ पोषण, बालिका शिक्षा, बाल विवाह रोकथाम, पर्यावरण संरक्षण और साथ में वृक्षारोपण करना का सामुदायिक सहभागिता का संदेश दिया गया।

बालोद में ‘तेजस्विनी राजमाता बहादुर कलारिन युवती सम्मेलन’ आयोजित: डॉ. वर्णिका शर्मा बोलीं— ‘नारी शक्ति से ही विकसित होगा भारत’



अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) बालोद द्वारा सी-मार्ट में हुआ भव्य आयोजन

युवतियों को आत्मनिर्भर, संस्कारवान बनने और वीरांगनाओं से प्रेरणा लेने का किया गया आह्वान

बालोद (03 अक्टूबर 2026)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जिला बालोद द्वारा सी-मार्ट परिसर में ‘तेजस्विनीडूराजमाता बहादुर कलारिन युवती सम्मेलन’ का आयोजन किया गया। युवतियों में आत्मविश्वास, संस्कार, सामाजिक जागरूकता एवं नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में डॉ. वर्णिका शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

‘रील और रियल में समझें अंतर, धर्म व संस्कृति से जुड़ें’ समारोह को संबोधित करते हुए

मुख्य अतिथि डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि आज के दौर में ‘रील’ और ‘रियल’ ज़िंदगी में अंतर समझना बेहद आवश्यक है, क्योंकि वास्तविक जीवन आत्मा में बसता है। भारत युवाओं का देश है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘विकसित भारत 2047’ के संकल्प को पूरा करने में देश की बहनों और बेटियों की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर और राजमाता बहादुर कलारिन के आदर्शों का जिक्र करते हुए युवतियों से उनके संघर्ष, साहस और चरित्र से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

नारी सम्मान व न्याय की प्रतीक हैं राजमाता बहादुर कलारिन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की लोकगाथाओं में अमर राजमाता बहादुर कलारिन के शौर्य और स्वाभिमान का स्मरण किया गया। बालोद जिले का सोरर-चिरचारी क्षेत्र उनकी कर्मस्थली रहा है, जहां उन्होंने नारी सम्मान की रक्षा के लिए अपने पुत्र को भी दौड़ित कर न्याय का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत

किया था। उनके इस अदम्य साहस को नमन करते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वीरता के क्षेत्र में ‘माता बहादुर कलारिन सम्मान’ भी प्रदान किया जाता है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और गणमाध्यजनों की गरिमामय उपस्थिति

सम्मेलन में पद्मश्री शमशाद बेगम, प्राची लालवानी, प्रसिद्ध भरती गायिका हेमलता पटेल, अभाविप राजनांदागंव विभाग छात्रा प्रमुख पूर्वा समर्थ, बी.के. राजयोगिनी सरिता ब्रह्माकुमारी, डॉ. लीना देवी साहू, चंद्रिका साहू, पद्मिनी साहू, लक्ष्मी अशोक, रेणुका गजेन्द्र और पूजा जैन सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान हॉस्टल की छात्राओं और कार्यकर्ताओं द्वारा छत्तीसगढ़ी लोकगीत ‘नंदा जाही रे’ और ‘जियत ले दो ददा पानी’ पर मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम का संचालन नगर मंत्री मनीष राणा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जिला छात्रा प्रमुख ऋषिका बारले द्वारा किया गया।

ट्रक मालिक संघ का धरना खत्म: एसईसीएल प्रबंधन से बनी सहमति, आंदोलन स्थगित

कोरबा। पाली क्षेत्र की सराईपाली खदान में कम भाड़े और कथित आर्थिक शोषण के विरोध में दोगघाट ट्रक एंड ट्रेलर मालिक संघ का एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन शनिवार को समाप्त हो गया। धरने के बाद लिफ्टरों और एसईसीएल प्रबंधन के साथ हुई बैठक में कई मांगों को लेकर सहमति बनने के बाद संघ ने फ्लिहाल आंदोलन स्थगित करने का ऐलान किया। ट्रक मालिक संघ के सदस्यों का कहना है कि फैक्ट्री मालिकों और ट्रांसपोर्टर्स यानी लिफ्टरों की ओर से लगातार कम भाड़ा दिया जा रहा है। उनका कहना है कि डीजल, टायर, वाहन की किस्त और मटेनेंस समेत परिचालन खर्च लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन इसके अनुपात में परिवहन भाड़े में बढ़ोतरी नहीं हुई है। ट्रक मालिकों ने खदान क्षेत्र की जर्जर सड़कों और पार्किंग की अव्यवस्था को लेकर भी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि खराब सड़कों के कारण वाहनों के रखरखाव का खर्च और परिचालन संबंधी परेशानियां बढ़ रही हैं। धरना प्रदर्शन के दौरान ट्रांसपोर्ट यूनियन के प्रेसिडेंट बाबा ठाकुर ने कहा कि पिछले कई वर्षों से परिवहन भाड़े में कमी की स्थिति बनी हुई है, जबकि महंगाई और अन्य खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि फ्लिहाल संघ शांतिपूर्वक अपनी मांगों को रख रहा है, लेकिन मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर टेंट लगाए रखे जाएंगे और वाहनों की एंट्री भी बंद की जा सकती है। एक अन्य वाहन मालिक ने कहा कि बढ़ती महंगाई और वित्तीय दबाव के कारण गाड़ी मालिकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्होंने परिवहन क्षेत्र में आर्थिक दबाव और कथित शोषण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इसी समस्या को लेकर ट्रक मालिक पाली में एकजुट हुए हैं। धरने के दौरान ट्रक मालिक संघ के पदाधिकारियों की लिफ्टरों के साथ बैठक हुई। इसके बाद संघ के प्रतिनिधि एसईसीएल प्रबंधन के अधिकारियों से मिले। बैठक में खदान क्षेत्र की खराब सड़कों की मरम्मत और पार्किंग व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। संघ के अनुसार, एसईसीएल प्रबंधन ने सड़कों में सुधार कराने और पार्किंग व्यवस्था तैयार करने पर सहमति जताई है।

लोकतंत्र बचाओ सप्ताह के तहत इंडिया गठबंधन की संयुक्त बैठक सम्पन्न , 6 अक्टूबर को निकलेगा पैदल मार्च

अंचल वर्मा – दुर्ग, उत्तई। जनता के गोठ।

दुर्ग – अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार 2 से 8 अक्टूबर 2026 तक आयोजित लोकतंत्र बचाओ सप्ताह के अंतर्गत जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं भिलाई नगर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के संयुक्त नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा, नागरिक अधिकारों तथा जनहित से जुड़े विषयों को लेकर सभी सहयोगी दलों के बीच आपसी समन्वय मजबूत करने और संयुक्त रूप से जनहित के मुद्दों को उठाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करने पर सहमति जताई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 6 अक्टूबर 2026, मंगलवार को दोपहर 12 बजे इंडिया गठबंधन के तत्वावधान में संयुक्त पैदल मार्च निकाला जाएगा।

पैदल मार्च के माध्यम से लोकतंत्र, संविधान, मताधिकार एवं नागरिक अधिकारों की रक्षा का संदेश आम जनता तक पहुंचाया जाएगा।

बैठक में समाजवादी पार्टी के शहर अध्यक्ष रज्जाक अली, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव कामरेड एस.पी. डे, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव कामरेड विनोद कुमार सोनी तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के कामरेड विजेंद्र तिवारी ने अपने-अपने दलों की ओर से संयुक्त कार्यक्रम में सहयोग एवं समर्थन की घोषणा की।

बैठक के पश्चात इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर लोकतंत्र, संविधान, मताधिकार एवं नागरिक अधिकारों से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी। प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, भिलाई नगर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, पूर्व विधायक अरुण वोरा, नगर निगम दुर्ग के नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले सहित समाजवादी पार्टी, माकपा, भाकपा एवं



भाकपा (माले) के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संयुक्त प्रेस वार्ता में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा किसी एक दल की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी लोकतांत्रिक शक्तियों और जागरूक नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने मताधिकार, नागरिक

अधिकारों, संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर आपसी समन्वय के साथ आगे बढ़ने की बात कही।

राकेश ठाकुर ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जनता के अधिकारों और संविधान की रक्षा से जुड़ी हुई है। आज आवश्यकता है कि सभी लोकतांत्रिक एवं समान विचारधारा वाले दल जनहित

के मुद्दों पर एकजुट होकर जनता की आवाज को मजबूती प्रदान करें। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के माध्यम से लोकतांत्रिक अधिकारों, मताधिकार और संविधान की रक्षा के लिए संयुक्त रूप से जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 6 अक्टूबर को होने वाला पैदल मार्च इसी सामूहिक प्रयास का हिस्सा है।

धीरज बाकलीवाल ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता के अधिकारों, स्वतंत्रता की मजबूती से जुड़ा हुआ है। सभी समान विचारधारा वाले दलों के बीच समन्वय के साथ जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस एवं सहयोगी दलों के विभिन्न पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से 6 अक्टूबर के पैदल मार्च में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

मुकेश चंद्राकर ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए सभी लोकतांत्रिक शक्तियों को मिलकर कार्य करना आवश्यक है। इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी दल जनता के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर आपसी तालमेल के साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने 6 अक्टूबर के पैदल मार्च को लोकतंत्र, संविधान, मताधिकार और नागरिक अधिकारों के प्रति जागरूकता का सामूहिक प्रयास बताया।

संयुक्त प्रेस वार्ता में सहयोगी दलों के प्रतिनिधियों ने 6 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे आयोजित पैदल मार्च में सभी

लोकतांत्रिक एवं समान विचारधारा वाले संगठनों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा आम नागरिकों से सहभागिता की अपील की।

इस अवसर पर संजय कोहले, पूर्व सभापति राजेश यादव, राय सिंह दिकोला, आर.एन. वर्मा, अल्ताफ अहमद, अब्दुल गनी, दुष्यंत देवांगन, विजेंद्र भारद्वाज, कार्यालय प्रभारी जयप्रकाश साहू, आनंद कपूर ताप्रकर, गुरुदीप भाटिया, देवी श्री साहू, मनीष बघेल, प्रो. एकता, सुशील भारद्वाज, अभिषेक जांगड़े, राजकुमार पाली, देव सिन्हा, अजय जैन, एजाज गोलडी, अशोक मेहरा, नंदकिशोर शर्मा, सुनीत घोष, भीमसेन, अमोल जैन, विजेंद्र पटेल, अनूप पाटिल, चिराग शर्मा, परमजीत सिंह भोई, लखन साहू, संजय बत्रा, पोषण साहू, तिलक राजपूत, जगमोहन ढीमार, शशिकांत कमार, यशवंत दिल्लीवार, शत्रुघ्न चक्रवर्ती, जय कुमार साहू, अभिनव बघेल, ईश्वर साहू, रवि कोसरिया, चैतन्य बंडोरा, दीपक सिन्हा, बृजलाल पटेल, मोहित वाल्दे, ऋषि साहू सहित बड़ी संख्या में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

